DR. ZAKIR HUSSAIN
URDU JR. COLLEGE OF EDUCATION
MOMINPURA, NAGPUR

स्वच्छता ही सेवा 2019

प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

11th सप्टेंबर – 27th ऑक्टोबर

अहवाल लेखन

स्वच्छता ही सेवा 2019

11 September - 27 October

प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

विषय : मिनिस्ट्री ऑफ ह्युमन रिसोर्स डेव्हलपमेंट डिपार्टमेंट ऑफ हायर एज्युकेशन EBSB Cell के द्वारा प्राप्त पत्र के अनुसार ''प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान (स्वच्छता ही सेवा) कार्यक्रम'' के कार्यान्वयन के लिए की गई कारवाई के बारे में अहवाल लेखन।

लोकमत समाचार

प्लास्टिक मुक्त भारत रैली में सम्मिलित कॉलेज के विद्यार्थी एवं अन्य.

मोमिनपुरा में प्लास्टिक मुक्त भारत रैली निकली

नागपुर । 1 अक्तूबर । लोस सेवा

मोमिनपुरा स्थित डॉ. जाकिर हुसैन उर्दू जूनियर कॉलेज ऑफ एजुकेशन के तत्वावधान में 'प्लास्टिक मुक्त भारत' विषय पर जनजागरण रैली निकाली गई. रैली के माध्यम से डॉ. जाकिर हुसैन उर्दू जूनियर कॉलेज ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने मोमिनपुरा में घर-घर जाकर प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को लेकर लोगों को जागरूक किया. संस्थान की छात्राओं द्वारा तैयार जनजागरण पोस्टर के माध्यम से समाज में जागरुकता का संदेश आम किया गया. पॉलीथिन के प्रयोग से होने वाले दुष्परिणाम भी लोगों के समक्ष रखे गए. इस दौरान विद्यार्थियों ने फार्मसी, हाथ ठेले, दुकानों, होटलों में जाकर भी प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का आग्रह किया. रैली में डी.एल.एड. प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष की छात्राओं के साथ इस्लामिया जूनियर कॉलेज के छात्रों ने भी सहयोग दिया. कॉलेज की छात्राओं ने कपड़े से तैयार थैलियां भी घर-घर जाकर वितरित की. इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. जाकिर हुसैन उर्दू जूनियर कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्राचार्य शहनाज काजी, इस्लामिया जूनियर कॉलेज के प्राचार्य अब्दुल सत्तार, पार्षद जुल्फेकार अहमद भुट्टो उपस्थित थे.

Apna Nagpur
Page No. 3 Oct 02, 2019
Powered by: erelego.com

दैनिक जीवन में प्लास्टिक का आक्रमण

प्लास्टिक हमारे जीवन का आवश्यक हिस्सा बन चुका है। प्लास्टिक ने हमारा जीवन जितना आसान किया है उतना ही इसकी वजह से हमें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। प्लास्टिक का प्रयोग हम अपने दैनिक जीवन में रोज जाने–अनजाने करते रहते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि प्लास्टिक हमारे जीवन के लिए एक बहुत बड़ा खतरा है। खासकर वह प्लास्टिक जिसे एक बार प्रयोग करके फेंक दिया जाता है, जिस में थैलियां, पैकेजिंग और पानी की बोतलें शामिल होती हैं। अगर हम ने प्लास्टिक के अति प्रयोग को रोका नहीं तो शायद प्लास्टिक किसी दिन हमारे अंत की वजह भी बन सकता है।

प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग

प्लास्टिक यानी पॉलिमर की लोकप्रियता की वजह इसकी सरलता से उपलब्धता, कम कीमत, अधिक टिकाऊपन और हल्का वजन हैं। इसके अलावा इसे आसानी से किसी भी रूप में ढाला जा सकता है। इस पर हवा, पानी या मौसम असर नहीं करते, यह न आसानी से टूटता है और न गलता है। लेकिन सच मानिए तो इसकी विशेषता ही आज पूरे पर्यावरण के लिए घातक सिद्ध हो रही है।

1950 में दुनिया भर में प्लास्टिक उत्पादन 1.5 मिलियन टन था। 2015 आते–आते यह 322 मिलियन टन हो गया। हर साल औसतन 8.6% की दर से बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में जैसे–जैसे प्लास्टिक का प्रयोग बढ़ रहा है, वैसे–वैसे इसकी वजह से दिक्कतें भी बढ़ रही है। पशु, पक्षी और जलीय प्राणी इसकी कीमत चुका रहे हैं। जलीय जीवन, पर्यावरण और परिस्थिति को प्लास्टिक से जो नुकसान हो रहा है उस की भरपाई कर पाना अब मुश्किल प्रतीत हो रहा है। खासकर समुद्री जल को इससे बेहद ज्यादा नुकसान हुआ है। समुद्र में पत्री, पैकेजिंग और बोतल के अलावा मछुआरों के जाल, मशीनों के टुकड़े और खिलौनों के ढेर तैर रहे हैं। जल के बहाव के साथ इकट्ठे हुए प्लास्टिक के ढेर किसी टापू से नजर आते हैं। हम एक ऐसे प्लास्टिकमय भविष्य की और बढ़ रहे हैं जहां हम धरती में बिखरे प्लास्टिक की ढेर में दफन हो जाएंगे।

प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम – समय की मांग

प्लास्टिक के प्रदूषण और प्लास्टिक के कचरे के प्रबंधन आज चिंता के विषय बने हुए हैं, क्योंकि इनका प्रत्यक्ष प्रभाव जलवायु और पर्यावरण पर पड़ता है। विश्व भर में प्रतिवर्ष लाखो टन प्लास्टिक उत्पादित हो रहे हैं, जो जैविक रीति से नाशवान नहीं होते। इसलिए विश्व भर में एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को बंद करने के लिए रणनीतियां अपनाई और लागू की जा रही है।

प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान (स्वच्छता ही सेवा 2019) के अंतर्गत डॉ. ज़ाकिर हुसैन उर्दु ज्यूनियर कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, मोमिनपुरा, नागपुर में 11 सितंबर से 27 अक्तूबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का नियोजन इस प्रकार किया गया।

कार्यक्रम नियोजन

दिनांक	कार्यक्रम
23/09/2019	पेपर बैग मेकिंग कार्यक्रम एवं इंटर स्कूल निबंध स्पर्धा कार्यक्रम का आयोजन
24/09/2019	प्लास्टिक मुक्त जागृति एवं कपड़े की थैलीओं का वितरण
30/09/2019	प्लास्टिक मुक्त रैली कार्यक्रम
02/10/2019	श्रमदान कार्यक्रम महात्मा गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती कार्यक्रम
07/10/2019	विभिन्न विद्यालयों से निबंध एकत्रीकरण एवं स्पर्धा परिणाम की घोषणा

पेपर बैग मेकिंग कार्यक्रम

डॉ. ज़ाकिर हुसैन उर्दु ज्यूनियर कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, मोमिनपुरा, नागपुर में डी.एल.एड. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा कागज़ से बने हुए पेपर बैग की तैयारी करवाई गई। इसी प्रकार Best from Waste के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की थैलियों को छात्राओं द्वारा तैयार करवाया गया।

इंटर स्कूल निबंध स्पर्धा का आयोजन

''प्लास्टिक मुक्त भारत'' इस विषय पर आधारित इंटर स्कूल निबंध स्पर्धा का आयोजन कॉलेज में किया गया। निबंध स्पर्धा के लिए विभिन्न शालाओं के उच्च माध्यमिक कक्षा के 8 वीं तथा 9 वी के छात्र एवं छात्राओं को सम्मिलित किया गया। विभिन्न शालाओं का नाम निम्नलिखित है।

1. मजिदिया हाई स्कूल, मोमिनपुरा, नागपुर
2. शम्स गर्ल्स हाई स्कूल, गांजा खेत, नागपुर
3. क़मर हाई स्कूल, मोमिनपुरा, नागपुर
4. किदवाई हाई स्कूल, आसीनगर, नागपुर
5. बैरिस्टर युसूफ शरीफ उर्दु हाई स्कूल, मोमिनपुरा, नागपुर
6. अंजुमन हाई स्कूल, सदर, नागपुर
7. एम. ए. के. आज़ाद हाई स्कूल, गांधीबाग, नागपुर
8. एम. ए. के. आज़ाद हाई स्कूल, महल, नागपुर
9. मौलाना अबुल कलाम आजाद, एन.एम.सी. स्कूल, आसीनगर, नागपुर
10. इस्लामिया हाई स्कूल, नागपुर

उपरोक्त समस्त शालाओं में कॉलेज द्वारा निबंध स्पर्धा में सहभागी होने के लिए निमंत्रण पत्र भेजे गए। सभी शालाओं को निबंध स्पर्धा में सम्मिलित होने की अंतिम दिनांक 07/10/2019 दी गई। इस प्रकार निबंध स्पर्धा कार्यक्रम का कार्यान्वयन किया गया।

प्लास्टिक मुक्त जागृति एवं कपड़े की थैलियों का वितरण

डॉ ज़ाकिर हुसैन उर्दु ज्यूनियर कॉलेज में दिनांक 24/09/2019 को प्लास्टिक बंदी के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिस में डी.एल्.एड्. द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने मोमिनपुरा नागपुर में ही जागृति का कार्य किया तथा ''प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान'' से संबंधित जानकारी प्रदान की तथा स्वयं पुराने कपड़ों द्वारा सिली हुई कपड़े की थैलियों का वितरण भी किया। इस प्रकार बेकार से कारामद वस्तु की निर्मिती भी हुई। प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग न करते हुए कपड़े की थैलियों के प्रयोग के प्रति जागरूकता निर्माण करने का कार्य कॉलेज की छात्राओं द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम द्वारा समाज के लोगों में भी प्लास्टिक के प्रयोग करने की अभिवृत्ति का निर्माण हुआ तथा भविष्य में वे प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग नहीं करेंगे, ऐसा उन्होंने आश्वासन दिया।

प्लास्टिक मुक्त रैली कार्यक्रम

डॉ. ज़ाकिर हुसैन उर्दु ज्यूनियर कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, मोमिनपुरा, नागपुर में दिनांक 30/09/2019 को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्राचार्या डॉ. शहनाज़ एन. काज़ी, विद्यालय के समस्त शिक्षिकाओं तथा डी.एल्.एड्. प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा रैली का आयोजन किया गया। मोमिनपुरा स्थित इस्लामिया हाई स्कूल व ज्यूनियर कॉलेज के छात्रों की सहायता से तथा प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा कपड़े की थैलियों, कागज से बने बैग, दुकानों, फलों के ठेलो, चिकन सेंटर, दवाई की दुकानों इत्यादि पर बाँटते हुए प्लास्टिक की थैलियों के प्रयोग न करने तथा उस से होने वाली हानियों के प्रति जानकारी सामान्य जनता तक पहुंचाई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पार्षद श्री. जुल्फिकार भुट्टो तथा इस्लामिया हाई स्कूल ज्यूनियर कॉलेज के प्राचार्य श्री. अब्दुल सत्तार ने हमें इस कार्यक्रम में अपना पूर्ण सहयोग दिया, उस के लिए आभार व्यक्त करते हैं।

शपथ कार्यक्रम

श्रमदान कार्यक्रम से पूर्व डॉ. जाक़िर हुसैन उर्दु ज्युनियर कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, मोमिनपुरा, नागपुर में प्राचार्या, समस्त शिक्षिकाओं तथा डी.एल्.एड्. प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने श्रमदान कार्य प्रारंभ करने से पूर्व शपथ ग्रहण की।

स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उस में सिर्फ राजनीतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर मां भारती को आजाद कराया।

अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूं कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उस के लिए समय दूंगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा।

मैं ना गंदगी करूंगा ना किसी और को करने दूंगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मोहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूंगा।

मैं यह मानता हूं कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ लिखते हैं उस का कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ में गांव–गांव और गली–गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूं, वहां अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवा लूंगा।

वह भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।

श्रमदान कार्यक्रम

दान का अर्थ है निःस्वार्थ भाव से बिना किसी प्रतिफल की इच्छा अथवा आशा के किसी जरूरतमंद व्यक्ति को उस के आवश्यकता की वस्तु श्रमदान प्रदान करना। दान अनेक प्रकार के हो सकते हैं – रक्तदान, विद्यादान, अन्नदान, मुद्रादान और श्रमदान आदि। श्रमदान भारतवर्ष की प्राचीन परंपराओं में से एक है। श्रमदान का अर्थ है स्वार्थ रहित होकर जनकल्याण के कार्यों में अपनी अर्जित शक्तियों द्वारा पूर्ण रूप से सहयोग देना। भारत के ग्रामों की दशा बड़ी ही दयनीय थी। इसलिए भारत सरकार ने ग्रामों के सुधार पर कार्य शुरू किया। भारत में श्रमदान की शुरुआत 23 जनवरी 1953 को हुई तथा श्रमदान सप्ताह मनाया जाने लगा। इसी प्रकार हमारी सरकार भी प्रति वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा श्रमदान के महत्त्व के लिए कार्य कर रही है। महात्मा गांधी जयंती (150) के उपलक्ष्य में विभिन्न अभियान शुरू हैं जिस में ''स्वच्छता ही सेवा'' के अंतर्गत प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत श्रमदान कार्यक्रम को सम्मिलित किया गया, जिस में डॉ. ज़ाकिर हुसैन उर्दु ज्यूनियर कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, मोमिनपुरा, नागपुर में भी दिनांक 02/10/2019 को श्रमदान कार्यक्रम संपन्न किया गया।

महात्मा गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती कार्यक्रम

श्रमदान कार्यक्रम के पश्चात सर्वप्रथम डॉ. ज़ाकिर हुसैन उर्दु ज्यूनियर कॉलेज ऑफ एज्युकेशन की प्राचार्या श्रीमती डॉ. शहनाज़ एन. काज़ी तथा समस्त शिक्षिकाओं एवं छात्राओं ने महात्मा गांधी जी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। डी.एल्.एड्. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने इस उपलक्ष्य पर रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए एवं सफाई अभियान, गांधीजी के जीवन पर आधारित नाटक, एक्ट प्रस्तुत किए। इस प्रकार बड़े ही उत्साह के साथ इस कार्यक्रम का समापन हुआ।

निबंध स्पर्धा के परिणाम की घोषणा

''प्लास्टिक मुक्त भारत'' इस विषय पर आधारित इंटर स्कूल निबंध स्पर्धा का आयोजन कॉलेज में किया गया था। निबंध स्पर्धा के लिए विभिन्न शालाओं के उच्च माध्यमिक के कक्षा 8 वीं तथा 9 वीं के छात्र एवं छात्राओं को सम्मिलित किया गया था। उस में सभी शालाओं से विभिन्न निबंध सम्मिलित किए गए। निबंध स्पर्धा में प्रथम स्थान शम्स गर्ल्स हाई स्कूल ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान क़िदवाई हाईस्कूल तथा अंजुमन हाई स्कूल ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान क़मर हाई स्कूल ने प्राप्त किया। इस प्रकार विभिन्न शालाओं ने ''प्लास्टिक मुक्त भारत'' अभियान के अंतर्गत निबंध स्पर्धा में सम्मिलित होकर अपना पूर्ण सहयोग हमें दिया।

Page No. Date : / /20

I

I^st Winner

Shums Girls High School

"प्लास्टिक मुक्त भारत"

پلاسٹک سے آزاد ہندوستان

Name :- Musarrat Fatema

Father :- Salahuddin Ansari

Class :- IX

"پلاسٹک سے آزاد ہندوستان"

ہم تمام اس بات سے بہ خوبی واقف ہیں کہ ہمارا
ملک ایک ترقی یافتہ ملک ہے اس کی ترقی میں مزید چار چاند
لگانے کے لیے ہم تمام شہریوں کو چاہیے کہ اپنے ملک میں منائی

جاری ہی اس مہم کا حصہ ہے۔ جیسا کہ پلاسٹک کے خلاف مہم
چھوڑنے کے ساتھ ہی پردھان منتری نریندر مودی نے وارانسی
کے 700 گاؤں کے سرپنچ کو خط لکھ کر انھیں اپنے شہر کو
پلاسٹک سے بچانے کو کہا ہے۔

پردھان منتری نے خط میں لکھا ان دنوں پلاسٹک کے
بڑھتے استعمال سے پلاسٹک کی آلودگی میں اضافہ ہو رہا ہے۔
پلاسٹک کی آلودگی کا برا اثر پورے ماحول پر پڑھتا ہے۔ ضلع
مجسٹریٹ نے کہا یہ خط 9 ستمبر کو لکھا گیا۔ جو ضلع پرشاسن کے
پاس 15 ستمبر کو پہنچا اس کے بعد اس خط کو سبھی گاؤں پر
کے پاس بھیجا گیا۔ پلاسٹک کا استعمال نہ کرنے کی اپیل
کی تھی جلد ہی اسے خبر سے آگاہ کرانے کی ضرورت ہے۔ اس کے
ساتھ ہی پلاسٹک کچرے کو جمع کرنے اور انھیں ختم کرنے
کی بھی ضرورت ہے۔ لیکن یہ ابھیان تبھی کامیاب ہو سکتا ہے
جب یہ ابھیان ہر جگہ ہو۔ اور ہر کوئی اس سے جڑے۔

پردھان منتری نریندر مودی نے متھورا سے
"سوچھتا ہی سیوا" ابھیان کی شروعات کی۔

پردھان منتری نریندر مودی نے بدھ 11 ستمبر
کو متھورا میں سبھی لوگ "سوچھتا ہی سیوا" ابھیان کی
شروعات کرتے ہوئے دیش کی جنتا سے پلاسٹک کے استعمال
کو ختم کرنے کی اپیل کی تھی۔

انھوں نے جانداروں کی زندگی سے جڑی کئی ترکیبوں

کی شروعات کی۔ پردھان منتری نریندر مودی نے راشٹر میں کئی بیماریوں سے بچانے کے لیے مشن شروع کرتے ہوئے کہا جانداروں کی زندگی سے ہمیشہ سے بھارت کی معاشی حفاظت کا ایک ضروری حصہ رہا ہے۔ جانداروں کی زندگی سے ہمیشہ سے بھارت کی معاشی بلکہ گاؤں کی معاشی حفاظت میں سدھار نہیں ہے۔

انھوں نے کہا کہ متھرا انگری کے لوگوں نے ہمیشہ سے قدرتی اور جانداروں کی زندگی، صحت اور زندگی پر مشن میں کام کیا ہے۔ انھوں نے متھرا کے بڑے اسکولوں میں دودھ جانداروں کی زندگی سے جڑے بیماریوں سے متعلق ملنے کی شروعات کی۔ اس کے ساتھ ہی جانداروں میں ہونے والے آنگ-آنگ بیماریوں کو روکنے کے لیے ٹیکہ لگانے کی مہم شروع کی۔

صاف صفائی، جانداروں کی زندگی اور بنیادی ڈھانچے کی کئی ترکیبوں کا ادگھاٹن کرتے ہوئے مودی نے کہا کی پلاسٹک کے کچرے سے بچنے کے لیے۔ سبھی کو بڑا کردار نبھانا ہوگا۔

پردھان منتری نے کہا کی ٹکنیکی کے ذریعہ پلاسٹک کے کچرے کو ری سائیکل کیا جا سکتا ہے۔ اور جو پلاسٹک کا کچرا ری سائیکل نہیں کیا جا سکتا اس کا استعمال سیمنٹ اور سڑک بنانے میں کیا جائے گا۔ مودی نے کہا کی سامان لینے کے لیے اپنے گھروں سے کپڑے کی تھیلیاں لائے۔

جگہ جگہ ہم نے دیکھا ہے جو کوڑوں کے ڈھیر نظر آتے ہیں اس میں کچرا ڈالنے کے بجائے لوگ کچرے کو یونہی پھینک دیتے ہیں۔ یہ بیماری کی وجہ سے ہوتا ہے۔ ان کوڑوں میں پلاسٹک کی اشیاء اور دیگر ایسی چیزیں بھی شامل ہوتی ہے جو زمین کی زرخیزی ختم کر دیتی ہے۔ پلاسٹک زمین میں جاتا ہے تو وہ کاغذ کی طرح گھل نہیں پاتا جس سے [illegible] پر ماحول پر برا اثر ہوتا ہے۔

ہمیں آج سے یہ ٹھان لینا ہے کہ ہم پلاسٹک کا استعمال نہیں کریں گے بلکہ پلاسٹک کی جگہ بازار میں جھولا لے کر جائیں۔ پلاسٹک کے کسی استعمالوں کی جگہ کاغذ کا استعمال کریں۔ اور لوگوں کو اطلاع دی جائے کہ وہ بھی پلاسٹک کا استعمال نہ کریں تبھی ہم بھارت کو پلاسٹک سے بچا لیں گے۔

پلاسٹک سے آزاد ہندوستان
ہمیشہ رہے سوچھ ہندوستان

آج سے ہم یہ ٹھان لیتے ہیں کہ ہم پلاسٹک کا استعمال چھوڑ دیں گے۔ ہم سب لوگ پلاسٹک نہ کسی سے لیں گے نہ کسی کو دیں گے۔ اگر ایک پلاسٹک کی کوئی چیز کو زمین میں ڈال دیا جائے تو وہ نہیں گلتا۔ ہم دیکھتے ہیں کہ جگہ جگہ کوڑوں کے ڈھیر رہتے ہیں۔ ان کوڑوں میں پلاسٹک کی اشیاء اور دیگر ایسی چیزیں بھی شامل ہوتی ہے۔ جو زمین

Date : / /20

Page No.

کی زرخیزی ختم کر دیتی ہے۔ اگر زمین کی زرخیزی
یوں رفتہ رفتہ کم ہونے لگی تو ہم اندازہ نہیں لگا
سکتے کہ مستقبل میں کن بھیانک نتائج کا سامنا
کرنا پڑے گا۔ یہ نتیجہ بستیوں اور آبادیوں کے اجڑنے
بنی نوع انسان کے ختم ہونے کی صورت میں سامنے
آ سکتا ہے۔ پلاسٹک سے ہندوستان کو آزاد کرنے
کے لیے جگہ جگہ مہم شروع کرنی ہوگی۔ اگر ہم باہر دکان
وغیرہ سے کوئی چیز لے آئے تو اسے پلاسٹک میں نہ لانا
بلکہ کاغذ یا کوئی برتن میں لے آنا۔ پلاسٹک کا استعمال
اب کسی کو بالکل بند کر دینا چاہیے۔ اور دوسروں کو
دیکھے کہ وہ پلاسٹک کا استعمال کر رہا ہے تو اسے منع
کیا جائے۔ اسی سے ہمارا ہندوستان پلاسٹک سے آزاد
ہوگا۔ اور ہمارا ملک ترقی کی راہ میں مزید آگے بڑھے
گا۔ اور دنیا میں عظیم مقام حاصل کرے گا۔

निष्कर्ष

इस प्रकार प्लास्टिक मुक्त अभियान की सफलता के लिए समाज के सभी सदस्यों को सामूहिक एवं व्यक्तिगत दोनों ही रूप में कार्य करना होगा। प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का बहिष्कार करना होगा। प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े, कागज तथा जूट से बने थैलों का प्रयोग करना होगा। वस्तुओं की खरीदी तथा बिक्री के समय थैलियों का प्रयोग करना होगा। खाने की वस्तुओं के लिए स्टील या फिर मिट्टी के बर्तनों को प्राथमिकता दी जाए। प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रचार–प्रसार के माध्यम से लोगों तक जागृति की जाए। शालाओं में विद्यार्थियों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर निबंध स्पर्धा तथा वादविवाद प्रतियोगिता का आयोजन कर प्लास्टिक के प्रयोग न करने का दृष्टिकोण निर्माण किया जाए। डॉ. ज़ाकिर हुसैन उर्दु ज्यूनियर कॉलेज, मोमिनपुरा, नागपुर में भी प्लास्टिक मुक्त अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज में प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को बताकर उस के प्रयोग करने को रोकने का प्रयास शुरू किया गया है।

हम सब का एक ही नारा
प्लास्टिक को हटाना लक्ष्य हमारा

हरियाली को बढाना है
प्लास्टिक को हटाना है